(c) whether Government are aware of any such group which has entered into Indian territory so far; and

(d) if not, what preventive pre-emptive steps have been taken to thwart the entry of militants in the country?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S.B. CHAVAN): (a) to (d) Certain reports indicating such activities have been received. However, Govt. is fully alive to the situation and is keeping a close watch. All necessary steps. including gearing up of intelligence and sharing of information about the movements of militant groups, are being taken. The concerned State Governments have been duly sensitised to counter possible designs of militants and maintain a hightened degree of alertness.

सड़क, जहाजरानी और बन्दरगाहों के रख-रखाव हेतु परियोजनाएं

153. **श्री राम जेठमलानी:**
श्रीमती सुषमा स्वराज:

क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में सड़क, जहाजरानी तथा बन्दरगाहों के रख-रखाव को बेहतर बनाने संबंधी अनेक परियोजनाएं सरकार द्वारा निर्माणाधीन हैं;

(ख) यदि हां, तो अप्रैल, 1995 की स्थिति के अनुसार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सड़क, जल-मार्गों और बन्दरगाहों से संबंधित उन परियोजनाओं की अलग-अलग संख्या कितनी है जो निजी क्षेत्र द्वारा निर्माणाधीन हैं, और

(घ) उपरोक्त परियोजनाओं में से कितनी परियोजनाएं अपने पूर्व-निर्धारित समय से पीछे चल रही हैं और सरकारी व गैर-सरकारी क्षेत्र की इन परियोजनाओं की अलग-अलग संख्या कितनी है, तथा निर्माण में देरी होने के कारण इन परियोजनाओं की निर्माण लागत में कम से कम और अधिक से अधिक कितने-कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर): (क) जी, हां।

(ख) सरकार सड़क क्षेत्र में 17 बड़ी परियोजनाओं, पत्तन क्षेत्र में 15 बड़ी परियोजनाओं और अन्तर्देशीय जल परिवहन क्षेत्र में 3 बड़ी परियोजनाओं का निर्माण कर रही है।

(ग) पत्तन क्षेत्र में 12 परियोजनाओं, भूमि तथा तटीय क्षेत्र सहायक सुविधाओं के विकास के लिए निजी उद्यमियों को पट्टे पर दिए गए हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर कोई परियोजना निजी क्षेत्र के निर्माणाधीन नहीं है।

(घ) उक्त (ख) में उल्लिखित 35 परियोजनाओं में से सड़क क्षेत्र में 12 परियोजनाएं और सार्वजनिक क्षेत्र में पत्तन क्षेत्र की 5 परियोजनाएं अपनी पूरा होने की मूल लक्षित तारीख से पिछड़ रही है। इनके पूरा होने में विलम्ब होने के कारण इन परियोजनाओं के निर्माण की लागत में वृद्धि का प्रतिशत 16% से 145% के बीच है।

दिल्ली परिवहन निगम (डी०टी०सी०) की बसों का लाया जाना

*154. **श्री दिग्विजय सिंह:**
श्री सत्य प्रकाश मालवीय:

क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जून, 1995 तक दिल्ली परिवहन निगम की कितनी बसें सड़कों पर चल रही थीं तथा कितनी बसें मामूली और बड़ी खराबियों के कारण नहीं चल रही थीं;

(ख) क्या सरकार इन सभी बसों को पुनः सड़क पर उतारने/चालू करने के लिए निगम को धन उपलब्ध कराने का विचार रखती है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और कितने समय में कितनी बसें मरम्मत के पश्चात् सड़कों पर पुनः चलने लगेंगी; और

(घ) क्या सरकार निगम को धनराशि उपलब्ध कराने के अलावा यह सुनिश्चित करेगी कि यह धन केवल उपरोक्त मरम्मत कार्य पर ही खर्च हो?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर): (क) दिनांक 30.6.95 की स्थिति के अनुसार दि०प०नि० के पास 3481 बसों का बेड़ा था। इन 3481 बसों में से 1391 बसें प्रचालन कर रहीं थीं